



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (1)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 175]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 31, 1977, ज्येष्ठ 10, 1899

No. 175]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 31, 1977 JYAISTHA 10, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह छलंग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(Revenue Wing)

NOTIFICATION

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 31st May 1977

G.S.R 258(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby exempts cotton fabrics, falling under Item No. 19 I of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and produced in a composite mill, from so much of the duty of excise as is equivalent to the duty leviable with reference to that part of value which represents duty on yarn paid by a composite mill in accordance with the provisions of rule 96W of the said rules, at the time of removal of such fabric from the said composite mill.

Explanation—In this notification, 'composite mill' means a manufacturer who is engaged in spinning of cotton twist yarn, or thread, or weaving or processing of cotton fabrics with the aid of power and has a proprietary interest in at least two of such manufacturing activities.

[No. 99/77CE]

B. PROSAD Under Secy.

राजस्व और बेकिंग विभाग

(राजस्व पक्ष)

अधिसूचना

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

नई दिल्ली, 31 मई, 1977

सा० का० नि० 258(अ).—अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की गणसं 131 के अन्तर्गत आने वाले सूती फैब्रिको को, जो किसी संयुक्त मिल में उत्पादित होते हैं, उतने उत्पाद-शुल्क से छूट देती है, जितना, मूल्य के उस भाग के प्रति निदेश से, जो उक्त नियमों के नियम 96ब के अनुसार किसी संयुक्त मिल द्वारा सूत पर सदातः शुल्क का सूचक है, उक्त संयुक्त मिल से उस फैब्रिको को हटाने समय, उद्ग्रहणीय शुल्क के बराबर है ।

स्पष्टीकरण.—इस अधिसूचना में, “संयुक्त मिल” से ऐसा विनिर्माता अभिप्रेत है जो विद्युत की सहायता से कपास के रैस्टन (ट्विस्ट) सूत, अथवा धागे की कताई में अथवा सूती फैब्रिको की बुनाई या प्रसंस्करण के कार्य में लगा हुआ है और जिसका ऐसे कम से कम दो विनिर्माण सम्बन्धी क्रियाकलापों में साम्प्रतिक हित है ।

[मं० 99, 77 सी ई]

बी० प्रसाद, अवर सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977